भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
07.02.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 787 का उत्तर

लंबित रेल परियोजनाएं

787. डॉ. निशिकांत दुबे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) विगत तीन वर्षों से विभिन्न राज्यों में राज्य-वार कितनी रेल परियोजनाएं, नई लाइनें बिछाने का कार्य और दोहरीकरण और विद्युतीकरण कार्य लंबित है;

(ख) इन कार्यों के पूरा न होने के कारण लागत में हुई वृद्धि का ब्यौरा क्या है; और

(ग) ऐसी रेल परियोजनाओं को पूरा करने की समय-सीमा क्या है?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

s.k

लंबित रेल परियोजनाओं के संबंध में दिनांक 07.02.2024 को लोक सभा मे डॉ. निशिकांत दुबे द्वारा पूछे जाने वाले अतारांकित प्रश्न सं.787 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): रेल परियोजनाएं राज्य-वार/संघ राज्यक्षेत्र-वार नहीं बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार स्वीकृत की जाती हैं क्योंकि रेल परियोजनाएं विभिन्न राज्यों की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं।

01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, संपूर्ण भारतीय रेल में, लगभग 7.18 लाख करोड़ रुपये की लागत से 46,360 कि.मी. लंबाई की 459 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिसमें से मार्च, 2023 तक 11,872 किमी लंबाई को कमीशन कर दिया गया है। इसमें निम्नलिखित शामिल हैः-

(i) लगभग 3.99 लाख करोड़ रु. की लागत से कुल 20,659 कि.मी. लंबाई की 189 नई लाइन परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से मार्च, 2023 तक 2903 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।

(ii) लगभग 48,580 करोड़ रु. की लागत से कुल 5,405 कि.मी. लंबाई की 39 आमान परिवर्तन परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से मार्च, 2023 तक 3,514 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।

(iii) लगभग 2.70 लाख करोड़ रु. की लागत से कुल 20,296 कि.मी. लंबाई की 231 दोहरीकरण परियोजनाएं योजना/अनुमोदन/ निर्माण के चरण में हैं, जिनमें से मार्च, 2023 तक 5,455 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।

01.04.2023 की स्थिति के अनुसार, देश भर में लगभग 50,074 करोड़ रुपये की लागत से 33,014 किलोमीटर लंबाई की 189 रेलवे विद्युतीकरण परियोजनाएं पिंक बुक में

s.k

दर्शायी गयी हैं, जिनमें से मार्च, 2023 तक 29,317 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है।

लागत, व्यय और परिव्यय सहित समस्त रेल परियोजनाओं का जोन-वार/वर्ष-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वैबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध है।

पिछले तीन वर्षों और चालू वर्ष अर्थात वर्ष 2020-21 से वर्ष 2023-24 (दिसंबर, 2023 तक) के दौरान भारतीय रेल में खंडों (नई लाइनों, आमान परिवर्तन, दोहरीकरण) की कमीशनिंग और रेलवे विद्युतीकरण की स्थिति का ब्यौरा नीचे दिया गया है:-

	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24 दिसंबर 2023 तक
नई लाइन (किमी. में)	286	289	1815	2629
आमान परिवर्तन (किमी. में)	470	636	242	133
दोहरीकरण (किमी. में)	1614	1983	3186	1332
रेल लाइनों का विद्युतीकरण (मार्ग किमी. में)	6,015	6,366	6,565	2,696

किसी भी रेल परियोजना(ओं) का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, लागत में साझेदारी वाली परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा साझा लागत के भाग को जमा कराना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक क्लीयरेंस, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना(ओं) स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति, आदि के कारण परियोजना विशेष के स्थल के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी

कारक परियोजना(ओं) के समापन समय और लागत को प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, इस स्तर पर परियोजना(ओं) के पूरा होने की निश्चित समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती है।

रेल परियोजनाओं के त्वरित अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयां स्थापित करना (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारण करना (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर निधि के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि करना (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन करना (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी और (vi) शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना शामिल है। इससे वर्ष 2014 से कमीशनिंग की दर में पर्याप्त वृद्धि हुई है। भारतीय रेल में नई लाइनों, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों की कमीशनिंग का ब्यौरा इस प्रकार है:-

अवधि	कुल कमीशनिंग	कमीशनिंग प्रति दिन	2009-14 के दौरान कमीशनिंग की तुलना में कमीशनिंग में वृद्धि
2009-14	7,599 किमी	4.2 किमी/दिन	-
2022-23	5,243 किमी	14.4 किमी/दिन	लगभग 3.4 गुना

*****

s.k